

श्री विनेश सिंह : रोडेगिया का विषय, मैं समझता हूँ, इस में अवश्य आयेगा।

श्री विभूति मिश्र : अध्यक्ष जी, ये सम्मेलन पहले भी बराबर होते आये हैं, पण्डितजी जब जीवित थे, तब भी हुआ और अब भी होने जा रहा है। मैं जानना चाहता हूँ कि मित्रता के मायने यह है कि हम पर कोई विपत्ति हो तो हमारा मित्र हमारा मदद करे और उसकी विपत्ति पर हम उसकी मदद करें, तो चीनी हमले या पाकिस्तानी हमले के समय इन देशों ने हमारी क्या मदद की है? यदि मदद नहीं की है, तो मेरी समझ में नहीं आता कि इस प्रकार सम्मेलन की क्या जरूरत है? हम राजनीति में महाभारत जैसे शास्त्रों को पढ़ते हैं, मैं जानना चाहता हूँ कि क्या इस प्रकार की मित्रता से देश को कोई लाभ है, यदि है तो वह क्या है?

श्री विनेश सिंह : इन दोनों देशों ने हमारी मदद नहीं की है, ऐसा कहना, मैं समझता हूँ, मुनासिब नहीं होगा। जहाँ तक सम्भव है, इन्होंने हमारी मदद की है, लेकिन वह काफी नहीं थी या ज्यादा करनी चाहिये, यह अलग-अलग लोगों की अपनी राय हो सकती है। मैं नहीं समझता कि इस के बारे में मैं कुछ विशेष कह सकता हूँ

श्री विभूति मिश्र : क्या मदद की है, बतायें तो?

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर, इस के बहस में नहीं जाना चाहिये।

श्री विनेश सिंह : हमारी नीति है कि हमारा प्रयत्न रहना चाहिये कि जिस तरह से भी हम दोस्ती को मजबूत कर सकें, उसके लिये कोशिश करनी चाहिये।

Shri Kolla Venkaiah : In view of the differences between our Government and the Government of the UAR and in view of the fact that President Nasser has openly

condemned the American air raids in Vietnam while our Prime Minister has just appreciated the faith of the President of the United States in peace in Vietnam, and in view of the fact that the President of the UAR has expressed that the Chinese activities, as far as Africa is concerned, are in no way improper while our spokesmen express differently, may I know whether Government propose to discuss all these differences either in the conference or in the bilateral talks with UAR?

Shri Dinesh Singh : With due respect to the hon. Member, I would like to point out that this basis is completely wrong: there is no difference. I think these differences are being attempted to be projected by a certain country whose newspapers he probably reads.

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, हम लोगों को सवाल पूछने का मौका नहीं मिला।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है।

Rev. Michael Scott

*720. **Shri Madh uLimaye :** Will the Minister of External Affairs be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 1556 on the 9th May, 1966 and state :

(a) whether Rev. Michael Scott forwarded the Naga Underground's letter to the Burmese Government on his own or in consultation with/or with the consent of the other two members/or either of the two members of the now defunct Peace Mission : and

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the action taken by Government against the other Peace Mission Member/or Members ?

The Minister of State in the Ministry of External Affairs (Shri Dinesh Singh):
(a) As already stated by the Foreign Minister on the floor of the House in

reply to short notice question No. 17 on 12th April, 1966, and in his statement of 20th April, 1966, Rev. Michael Scott acted wholly on his own and did not consult the other two members of the Peace Mission.

(b) Does not arise.

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार के पास इस बात की रपट मिली है कि जब वह नागालैण्ड के इलाके में रहते थे—माइकेल स्काट साहब, तो इस बात के सबूत इकट्ठे करते रहते थे, सही हों या गलत, कि हमारी फौजों द्वारा वहाँ की जनता के ऊपर बड़े पैमाने पर अत्याचार किये गये हैं। अगर इस बात का पता सरकार को चला है तो कब चला और उसके बारे में सरकार ने समय पर कार्यवाही क्यों नहीं की ?

श्री दिनेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, रेवरेण्ड माइकेल स्काट ज़रूर इस बात की कोशिश कर रहे थे कि दुनिया के सामने यह रखें कि हमारी सेना ने वहाँ पर अत्याचार किये हैं। कुछ उन्होंने इस के बारे में लिखा भी है। जब हमको मालूम हुआ कि वह इस तरह की कोशिश कर रहे हैं, तो हम ने उनको कहा भी, और उसके बाद उनको यहाँ से हटा भी दिया। इस के अलावा जो बातें उन्होंने कहीं, उनका हमने खण्डन भी किया है।

श्री मधु लिमये : मैंने यह पूछा था कि कब पता चला ?

श्री दिनेश सिंह : इस वक्त एक दम तो नहीं बता सकता कि किस तारीख को पता चला।

श्री मधु लिमये : क्या मंत्री महोदय इस बात की तफ़्सील सदन के सामने रख

सकते हैं कि माइकेल स्काट जब से भारत छोड़ कर चले गये हैं, तब से इंग्लैंड में या दूसरे देशों में इस प्रश्न के सम्बन्ध में उन्होंने क्या-क्या कहा है, क्या-क्या लेख लिखे हैं, क्या उसकी कोई तफ़्सील सदन के सामने देने के लिए तैयार हैं ?

श्री दिनेश सिंह : अगर आपकी आज्ञा होगी, अध्यक्ष महोदय, तो ज़रूर रख दूंगा

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : क्या भारत सरकार के पास इस बात के सबूत नहीं है कि माइकेल स्काट बहुत दिनों से भारत विरोधी कार्यों में लगे रहे और जब से वह क्षान्ति पीस मिशन में शामिल हुए, तब भी उनकी ये कार्यवाहियाँ जारी रहीं। यदि ये जानकारी भारत सरकार को थी तो उनको पहले से निकालने के सम्बन्ध में भारत सरकार ने कार्यवाही क्यों नहीं की ?

श्री दिनेश सिंह : माइकेल स्काट जब से पीस मिशन में आये, उस के बाद से यह सवाल सदन में बीच-बीच में उठता रहा है, मैं इस का इस समय क्या जवाब दूँ, सब बातें सदन के सामने आ चुकी हैं और इस पर पूरी तरह से वहाँ से वहाँ भी हो चुकी है।

Shri Swell : I would like to understand the meaning of this expression 'underground'. The leaders of this hostile Naga group have been moving about freely in the country ; they came out here to Delhi a number of times to have parleys with the Prime Minister. In what sense are they 'under ground' ?

Shri Dinesh Singh : We should consider changing the name, Sir.

Shri Hem Barua : Sir, when Rev. Michael Scott was playing host to Mr. Phizo in London, he was trying to internationalise the Naga problem. As an instance of this, it may be cited that he had already decided to approach the UN Secretary-General and request him to arbitrate in the so-called

Indo-Naga dispute. In that context, may I know whether our Government has specially told Britain that the British soil must not be allowed to be used by Rev. Michael Scott for anti Indian propaganda and if she allows it to be done like that, India would consider it to be an unfriendly act by a member of the Commonwealth ?

Shri Dinesh Singh : This was mentioned in the House on the last occasion when the hon. member asked whether the Prime Minister has acquainted the British Prime Minister about this.

Shri Hem Barua : On the previous occasion, the question was different.

Mr. Speaker : He wants to know whether it has been conveyed to Britain that this would be considered an unfriendly act.

Shri Dinesh Singh : No, Sir; we have not conveyed in those terms.

Shri Hem Barua : Why not ? What are they doing, Sir ?

Mr. Speaker : He cannot enter into arguments ; he can only seek information.

श्री क० ना० तिवारी : क्या यह सही है कि माइकेल स्काट ने यहां से निकल जाने के बाद कोई खत प्राइम मिनिस्टर को लिखे हैं? यदि हां, तो उन्होंने किस विषय पर खत लिखे हैं और क्या कारेस्पॉन्स उन की सरकार के साथ हुई है ?

श्री दिनेश सिंह : मैंने इस के सम्बन्ध में पिछले मर्तबे सदन में कहा था कि उन्होंने लिखा है कि उनका कुछ सामान वगैरह यहां रोक लिया गया है, कुछ कागज वगैरह वह अभी हमारे अपने पास हैं ।

Shrimati Savitri Nigam : In view of the fact that Rev. Michael Scott is still indulging in such objectionable activities and making such damaging statements against our national interest, may I know whether the hon. Minister or the Prime

Minister thinks it proper to write to the British Prime Minister that this type of action by a British national on British soil is highly objectionable and against the Commonwealth interests ?

Mr. Speaker : The same question was put by Mr Hem Barua.

Shrimati Savitri Nigam : I am not asking why she has not written. I want to know whether she is going to write or not.

Mr. Speaker : About what has been written, that has been answered.

श्री प्रकाशबीर शास्त्री : श्रीमन्, मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या यह सत्य है कि पादरी माइकेल स्काट के जाने के बाद उनके कुछ शिष्य नागालैण्ड के क्षेत्र में और अधिक सक्रिय हो गये हैं और पड़ोसी कुछ देशों के माध्यम से उन के साथ वह बराबर संपर्क बनाये हुए हैं ? यदि हां, तो उस की रोकथाम के लिए सरकार ने क्या व्यवस्था की है ?

श्री दिनेश सिंह : मैं नहीं कह सकता, अध्यक्ष महोदय, कि कोई ऐसी खबर हमारे पास आयी है कि कोई शिष्य यहां पर वह छोड़ गये हैं जो कि ऐसा कर रहे हैं ।

Shri Bade : In reply to Mr. Hem Barua's question he said, that they have not written to Britain; saying this would be considered an unfriendly act. Naturally the question arises as to what they have written to the British Government, whether it is not justifiable or they should discontinue it and what is the reaction of the British Government to our note ?

Shri Dinesh Singh : "Unfriendly act" has a specific meaning and connotation in diplomatic correspondence. That is why we have not used those words. I think it would not be proper for me to divulge the details of the correspondence of our Prime Minister with the British Prime Minister on this matter.